देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

मोदी खुद को महान मानते हैं: सोनिया 12

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने बाबा तरसेम सिंह दी...10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ

वर्ष: 15 | अंक: 174

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

रविवार | 07 अप्रैल, 2024

बढ़ती हुई गर्मी में पशु पक्षियों की देखभाल संबंधी विषय पर दी जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ.शशीकांत ने बढ़ती हुई गर्मी में पशु पक्षियों की देखभाल संबंधी विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बढ़ती हुई गर्मी से पशु पक्षियों में भूख कम हो जाती है एवं सूखा चारा खाने, हिलने डुलने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। जिससे दुग्ध उत्पादन कम होने के साथ पशु प्रजनन क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि भैंस को गाय की अपेक्षा अधिक गर्मी लगती है क्योंकि भैंस की त्वचा का रंग काला व पसीने की ग्रंथियों की संख्या कम होती है। जिसके लिए उन्होंने पशुपालकों को पशुओं को सुबह 9 बजे से पहले एवं शाम को 4 बजे के बाद चराने तथा भरपेट पानी पिलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए शेड का निर्माण कर उसे सफेद चूने से पेंट कर उसके ऊपर फसल अवशेष फैला देने चाहिए। जिससे सूर्य की किरणों को परावर्तित करने में मदद मिल सके। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय खिड़कियों पर जूट के बोरे को गीला करके लटकाना चाहिए व पशुओं को सुबह-शाम ठंडे या साफ पानी से नहलाने के साथ प्रतिदिन प्रति पशु 250 ग्राम गुड़ का शरबत बनाकर शाम के समय पशुओं को देना चाहिए।

आज का कानपुर हिन्दी दैनिक

बदलते मौसम में पशुपालक पशुओं का रखें विशेष ध्यान

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि बढ़ती हुई गर्मी से पशु पक्षी तापमान से ग्रसित हो रहे हैं। दुधारू पशुओं का दूध उत्पादन कम हो जाता है ।पशुओं में भूख कम हो जाती है एवं सूखा चारा खाने, हिलने डुलने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। जिससे पशुओं की सांस जोर-जोर से चलने लगती है ।उन्होंने बताया कि पसीना भी ज्यादा आता है और दूध उत्पादन कम होने के साथ ही साथ पशु प्रजनन क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी काम हो जाती है। डा.शशिकांत ने बताया कि भैंस को गाय की अपेक्षा अधिक गर्मी लगती है क्योंकि भैंस की त्वचा का रंग काला होना एवं पसीने की ग्रंथियां की संख्या कम होने के कारण होता है ऐसे मौसम में पशुपालक भाई अपने पशुओं को विशेष देखभाल करने की जरूरत है ।उन्होंने सलाह दी है कि जानवरों को सुबह 9:00 बजे से पहले एवं शाम को 4:00 बजे के बाद चराने के लिए तथा भरपेट पानी पीने देना चाहिए। गर्मी को देखते हुए शेड का निर्माण करना चाहिए, ताकि साफ व स्वच्छ हवा आसानी से आ सके। उन्होंने बताया शेड के छत पर सफेद चूना पेंट की पुताई करके उसके ऊपर फसल अवशेष फैला देना चाहिए। जिससे सूर्य की किरणों को परावर्तित करने में मदद मिलेगी। साथ ही गर्मी का असर भी काम हो जाएगा। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय खिड़कियों पर जुट के बोरे को गीला करके लटकाना चाहिए। पशुओं को सुबह-शाम ठंडा या साफ पानी से नहलाना चाहिए। इसके अलावा प्रतिदिन प्रति पशु 250 ग्राम गुड़ का शरबत बनाकर शाम की समय पशुओं को देना चाहिए। साथ ही 50 ग्राम मिनरल मिश्रण एवं 50 ग्राम सेंधा नमक देने से पशु का स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रात:कालीन) कानपुर, रविवार 07 अप्रैल 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/4722

बदलते मौसम में पशुपालक पशुओं का रखें विशेष ध्यान :डॉक्टर शशीकांत

कानपुर, 06 अप्रैल (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि बढ़ती हुई गर्मी से पशु पक्षी तापमान से ग्रसित हो रहे हैं। दुधारू पशुओं का दूध उत्पादन कम हो जाता है। पशुओं में भूख कम हो जाती है एवं सूखा चारा खाने, हिलने डुलने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। जिससे पशुओं की सांस जोर–जोर से चलने लगती है।उन्होंने बताया कि पसीना भी ज्यादा आता है और दूध उत्पादन कम होने के साथ ही साथ पशु प्रजनन क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी काम हो जाती है। डा.शशिकांत ने बताया कि भैंस को गाय की अपेक्षा अधिक गर्मी लगती है क्योंकि भैंस की त्वचा का रंग काला होना एवं पसीने की ग्रंथियां की संख्या कम होने के कारण होता है ऐसे मौसम में पशुपालक भाई अपने पशुओं को विशेष देखभाल करने की जरूरत है।उन्होंने सलाह दी है कि जानवरों को सुबह 9:00 बजे से पहले एवं शाम को 4:00 बजे के बाद चराने के लिए तथा भरपेट पानी पीने देना चाहिए। गर्मी को देखते हुए शेड का निर्माण करना चाहिए, ताकि साफ व स्वच्छ हवा आसानी से आ सके। उन्होंने बताया शेड के छत पर सफेद चूना पेंट की पुताई करके उसके ऊपर फसल अवशेष फैला देना चाहिए। जिससे सूर्य की किरणों को परावर्तित करने में मदद मिलेगी। साथ ही गर्मी का असर भी काम हो जाएगा। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय खिड़कियों पर जुट के बोरे को गीला करके लटकाना चाहिए। पशुओं को सुबह–शाम ठंडा या साफ पानी से नहलाना चाहिए। इसके अलावा प्रतिदिन प्रति पशु 250 ग्राम गुड़ का शरबत बनाकर शाम की समय पशुओं को देना चाहिए। साथ ही 50 ग्राम मिनरल मिश्रण एवं 50 ग्राम सेंधा नमक देने से पशु का स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा।

32.0°
अधिकतम
21.0°
न्यूनतम
www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD खबरें एक्सप्रेस
www.worldkhabarexpress.media | www.worldkhabarexpress.com | Daily Evening E-Paper

बदलते मौसम में पशुपालक पशुओं का रखें विशेष ध्यान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि बढ़ती हुई गर्मी से पशु पक्षी तापमान से ग्रसित हो रहे हैं। दुधारू पशुओं का दूध उत्पादन कम हो जाता है।पशुओं में भूख कम हो जाती है एवं सूखा चारा खाने, हिलने डुलने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। जिससे पशुओं की सांस जोर-जोर से चलने लगती है।उन्होंने बताया कि पसीना भी ज्यादा आता है और दूध उत्पादन कम होने के साथ ही साथ पशु प्रजनन क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी काम हो जाती है। डा.शशिकांत ने बताया कि भैंस को गाय की अपेक्षा अधिक गर्मी लगती है क्योंकि भैंस की त्वचा का रंग काला होना एवं पसीने की ग्रंथियां की संख्या कम होने के कारण होता है ऐसे मौसम में पशुपालक भाई अपने पशुओं को विशेष देखभाल करने की जरूरत है।उन्होंने सलाह दी है कि जानवरों को सुबह 9:00 बजे से पहले एवं शाम को 4:00 बजे के बाद चराने के लिए तथा भरपेट पानी पीने देना चाहिए। गर्मी को देखते हुए शेड का निर्माण करना चाहिए, ताकि साफ व स्वच्छ हवा आसानी से आ सके। उन्होंने बताया शेड के छत पर सफेद चूना पेंट की पुताई करके उसके ऊपर फसल अवशेष फैला देना चाहिए। जिससे

सूर्य की किरणों को परावर्तित करने में मदद मिलेगी। साथ ही गर्मी का असर भी काम हो जाएगा। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय खिड़कियों पर जुट के बोरे को गीला करके लटकाना चाहिए। पशुओं को सुबह-शाम ठंडा या साफ पानी से नहलाना चाहिए। इसके अलावा प्रतिदिन प्रति पशु 250 ग्राम गुड़ का शरबत बनाकर शाम की समय पशुओं को देना चाहिए। साथ ही 50 ग्राम मिनरल मिश्रण एवं 50 ग्राम सेंधा नमक देने से पशु का स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा।

Title-code: UPHIN-48963
E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

07,04,2024। Jksingh,hardoi a gmail, com मोबाइल नंबर 9956834016

कानपुर पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

बदलते मौसम में पशुपालक पशुओं का रखें विशेष ध्यान

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि बढ़ती हुई गर्मी से पशु पक्षी तापमान से ग्रसित हो रहे हैं। दुधारू पशुओं का दूध उत्पादन कम हो जाता है।पशुओं में भूख कम हो जाती है एवं सूखा चारा खाने, हिलने डुलने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। जिससे पशुओं की सांस जोर-जोर से चलने लगती है।उन्होंने

काम हो जाती है। डा.शशिकांत ने बताया कि भैंस को गाय की अपेक्षा अधिक गर्मी लगती है क्योंकि भैंस की त्वचा का रंग काला होना एवं पसीने की ग्रंथियां की संख्या कम होने के कारण होता है ऐसे मौसम में पशुपालक भाई अपने पशुओं को विशेष देखभाल करने की जरूरत है।उन्होंने सलाह दी है कि जानवरों को सुबह 9:00 बजे से पहले एवं शाम को 4:00 बजे के बाद चराने के लिए तथा भरपेट पानी पीने देना चाहिए। गर्मी को देखते हुए शेड का निर्माण करना चाहिए, ताकि साफ व स्वच्छ हवा आसानी से आ सके। उन्होंने बताया शेड के छत पर सफेद चूना पेंट की पुताई करके उसके ऊपर फसल अवशेष फैला देना चाहिए। जिससे सूर्य की किरणों को परावर्तित करने में मदद मिलेगी। साथ ही गर्मी का असर भी काम हो जाएगा। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय खिड़कियों पर जुट के बोरे को गीला करके लटकाना चाहिए। पशुओं को सुबह-शाम ठंडा या साफ पानी से नहलाना चाहिए। इसके अलावा प्रतिदिन प्रति पशु 250 ग्राम गुड़ का शरबत बनाकर शाम की समय पशुओं को देना चाहिए। साथ ही 50 ग्राम मिनरल मिश्रण एवं 50 ग्राम सेंधा नमक

बदलते मौसम में पशुपालक पशुओं का रखें विशेष ध्यान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि बढ़ती हुई गर्मी से पशु पक्षी तापमान से ग्रसित हो रहे हैं। दुधारू पशुओं का दूध उत्पादन कम हो जाता है।पशुओं में भूख कम हो जाती है एवं सूखा चारा खाने, हिलने डुलने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। जिससे पशुओं की सांस जोर-जोर से चलने लगती है।उन्होंने बताया कि पसीना भी ज्यादा आता है और दूध उत्पादन कम होने के साथ ही साथ पशु प्रजनन क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी काम हो जाती है। डा.शशिकांत ने बताया कि भैंस को गाय की अपेक्षा अधिक गर्मी लगती है क्योंकि भैंस की त्वचा का रंग काला होना एवं पसीने की ग्रंथियां की संख्या कम होने के कारण होता है ऐसे मौसम में पशुपालक भाई अपने पशुओं को विशेष देखभाल करने की जरूरत है।उन्होंने सलाह दी है कि जानवरों को सुबह 9ः00 बजे से पहले एवं शाम को 4ः00 बजे के बाद चराने के लिए तथा भरपेट पानी पीने देना चाहिए। गर्मी को देखते हुए शेड का निर्माण करना चाहिए, ताकि साफ व स्वच्छ हवा आसानी से आ सके। उन्होंने बताया शेड के छत पर सफेद चूना पेंट की पुताई करके उसके ऊपर फसल अवशेष फैला देना चाहिए। जिससे सूर्य की किरणों को परावर्तित करने में मदद मिलेगी। साथ ही गर्मी का असर भी काम हो जाएगा। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय खिड़कियों पर जुट के बोरे को गीला करके लटकाना चाहिए। पशुओं को सुबह-शाम ठंडा या साफ पानी से नहलाना चाहिए। इसके अलावा प्रतिदिन प्रति पशु 250 ग्राम गुड़ का शरबत बनाकर शाम की समय पशुओं को देना चाहिए। साथ ही 50 ग्राम मिनरल मिश्रण एवं 50 ग्राम सेंधा नमक देने से पशु का स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा।